भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या - 233

दिनांक 04 अगस्त, 2026 के लिए उत्तर

पशु चिकित्सा संबंधी सेवाओं का कार्यान्वयन

***233. श्री विष्णु दत्त शर्माः**

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार उत्पादकता और किसानों की आय में वृद्धि करने के लिए पशु चिकित्सा सेवाओं, पशुधन सुधार, रोग नियंत्रण और पशुधन प्रबंधन अवसंरचना के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रमों का कार्यान्वयन कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या खजुराहो लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के कटनी, पन्ना और छतरपुर जिलों में पशु चिकित्सालयों, पशुधन सुधार केन्द्रों, टीकाकरण कार्यक्रमों और पशुधन प्रबंधन अवसंरचना को सुदृढ़ किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान इन जिलों में कितनी पशु चिकित्सा सुविधाएं स्थापित की गई हैं, कितने पशुधन का टीकाकरण किया गया है और कितने पशुधन विकास कार्यक्रम कार्यान्वित किए गए हैं;

(घ) क्या इन जिलों में पशु चिकित्सा और पशुधन अवसंरचना अपर्याप्त बनी हुई है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) सरकार द्वारा इस क्षेत्र में पशुधन पर निर्भर परिवारों के लिए पशु चिकित्सा एवं स्वास्थ्य देखभाल में सुधार लाने तथा पशुधन उत्पादकता और आय के अवसर बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए जाने का विचार है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) से (ङ) विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

*****

पशु चिकित्सा संबंधी सेवाओं के कार्यान्वयन के संबंध में दिनांक 04.08.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 233 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) उत्पादकता को बढ़ाने और किसानों की आय में वृद्धि करने के लिए पशु चिकित्सा सेवाओं, पशुधन सुधार, रोग नियंत्रण और पशुधन प्रबंधन अवसंरचना हेतु भारत सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग (DAHD) द्वारा कार्यान्वित कार्यक्रमों का विवरण निम्नानुसार है:

i. सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में 'पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम' (LHDCP) कार्यान्वित किया गया है। इसका उद्देश्य टीकाकरण के माध्यम से आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण पशु रोगों, नामत: खुरपका और मुंहपका रोग (FMD), ब्रुसेलोसिस, पेस्टे डेस पेटिट्स रूमिनेंट्स (PPR) और क्लासिकल स्वाइन फीवर (CSF) की रोकथाम करना है। इसके अलावा, किसानों के द्वार पर पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयां (MVU) चलाने के लिए साझा आधार पर वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। साथ ही, राज्य के प्राथमिकता प्राप्त अन्य क्रियाकलापों, जैसे प्रयोगशालाओं का सुदृढ़ीकरण, रोगों की निगरानी, पशुधन रोगों के लिए टीकाकरण, उभरते और विदेशी रोगों पर नियंत्रण, प्रशिक्षण और जागरूकता हेतु भी सहायता प्रदान की जाती है।

ii. देशभर में देशी बोवाइन नस्लों के विकास और संरक्षण, बोवाइन आबादी के आनुवंशिक उन्नयन तथा दूध उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM) कार्यान्वित किया गया है। इसके मुख्य घटकों में राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम, सेक्स-सॉर्टेड सीमन और इन-विट्रो फर्टिलाइज़ेशन (IVF) तकनीक का इस्तेमाल करके त्वरित नस्ल सुधार कार्यक्रम, जीनोमिक चयन के लिए जीनोमिक चिप, संतति परीक्षण और वंशावली चयन कार्यक्रम तथा बहुउद्देश्यीय कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन (MAITRI) का प्रशिक्षण और उन्हें उपकरणों से युक्त करना शामिल हैं।

iii. पशुपालन अवसंरचना विकास निधि (AHIDF) के अंतर्गत, डेयरी प्रसंस्करण और मूल्य संवधन अवसरंचना संबंधी क्रियाकलापों के लिए व्यक्तिगत उद्यमियों, निजी कंपनियों, MSME, किसान उत्पादक संगठनों (FPO), धारा 8 कंपनियों और डेयरी सहकारी समितियों को 3% ब्याज सबवेंशन प्रदान किया जाता है।

iv. राष्ट्रीय पशुधन मिशन उद्यमिता विकास कार्यक्रम (NLM EDP) के अंतर्गत, भारत में डेयरी क्षेत्र के लिए इनपुट को बेहतर बनाने हेतु विभिन्न चारा प्रसंस्करण और ग्रेडिंग

इकाइयां लगाने के लिए व्यक्तियों, किसान उत्पादक संगठनों (FPO), स्वयं सहायता समूहों (SHG), संयुक्त देयता समूहों (JLG), किसान सहकारी संगठनों (FCO) और धारा 8 कंपनियों को 50% पूंजीगत सब्सिडी दी जाती है।

v. राज्य सरकार द्वारा दूध की खरीद, दूध प्रसंस्करण अवसंरचना और दूध के उत्पादन को बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों में सहायता करने हेतु, राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (NPDD) और डेयरी क्रियाकलापों में लगी डेयरी सहकारी समितियों और किसान उत्पादक संगठनों को सहायता (SDCFPO) योजनाएं कार्यान्वित की गई हैं।

(ख) और (ग) हालांकि पशुपालन राज्य का विषय है, पशुपालन और डेयरी विभाग (DAHD) उपर्युक्त (क) में उल्लिखित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से, पशु चिकित्सा सेवाओं, पशुधन सुधार, रोग नियंत्रण और पशुधन प्रबंधन के लिए आवश्यक अवसंरचना तैयार करने में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की सहायता करता है। मध्य प्रदेश राज्य से मिली जानकारी के आधार पर, कटनी, पन्ना और छतरपुर में पिछले तीन वर्षों के दौरान पशु चिकित्सा अवसंरचना, कृत्रिम गर्भाधान की संख्या, NPDD के अंतर्गत अनुमोदित परियोजनाओं और LHDCP के अंतर्गत टीकाकरण किए गए पशुओं की संख्या का विवरण अनुबंध 1 में दिया गया है।

(घ) राज्य से ऐसी कोई सूचना नहीं मिली है।

(ङ) उपर्युक्त (क) के साथ ही, कटनी, पन्ना और छतरपुर जिलों में पशु चिकित्सा स्वास्थ्य देखभाल, पशुधन उत्पादकता और आय के अवसरों को बेहतर बनाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का विवरण निम्नानुसार है:

i. पशु स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (LHDCP) के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान, कटनी, पन्ना और छतरपुर जिलों में FMD के लिए क्रमशः कुल 4,03,251, 6,89,522 और 6,44,506 पशुओं का टीकाकरण किया गया। इसी प्रकार, संबंधित जिलों में PPR के लिए क्रमशः 74,516, 1,41,576 और 1,92,017 पशुओं का टीकाकरण किया गया।

ii. LHDCP के अंतर्गत कटनी, पन्ना और छतरपुर में क्रमश: 07, 07 और 10 MVU कार्य कर रही हैं।

iii. NPDD के अंतर्गत, वर्ष 2025-26 के दौरान कटनी, पन्ना और छतरपुर में 02-02 परियोजनाएं अनुमोदित की गई हैं।

iv. राज्य से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पशुपालक राज्य की योजनाओं, नामत: डॉ. भीम राव अम्बेडकर कामधेनु योजना, मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना और आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

v. वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान, कटनी, पन्ना और छतरपुर जिलों में कुल 92,560 कृत्रिम गर्भाधान किया गया।

*****

अनुबंध 1

कटनी, पन्ना और छतरपुर में पिछले तीन वर्षों के दौरान पशु चिकित्सा अवसंरचना, कृत्रिम गर्भाधान की संख्या, NPDD के अंतर्गत अनुमोदित परियोजनाओं और LHDCP के अंतर्गत टीकाकरण किए गए पशुओं का विवरण।

तालिका 1: पशु चिकित्सा अवसंरचना की सूची (संख्या में)

क्र.सं.	विवरण	कटनी	पन्ना	छतरपुर
1.	पशु चिकित्सा अस्पताल	13	26	34
2.	पशु चिकित्सा औषधालय	29	32	39
3.	कृत्रिम गर्भाधान केंद्र	2	1	5
4.	कृत्रिम गर्भाधान उप-केंद्र	20	11	58
5.	मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयां	07	07	10

तालिका 2: पिछले तीन वर्षों (वर्ष 2023-24 से वर्ष 2025-26) के दौरान मध्य प्रदेश के छतरपुर, पन्ना और कटनी जिलों में कृत्रिम गर्भाधान, लाभान्वित किसानों का विवरण

जिला	किए गए कृत्रिम गर्भाधानों की संख्या	लाभान्वित किसान
छतरपुर	51744	41948
कटनी	30343	23567
पन्ना	59678	46011

तालिका 3: NPDD योनजा के अंतर्गत अनुमोदित परियोजनाएं

क. कटनी जिला

परियोजना कोड	अनुमोदन का वर्ष	क्रियाकलाप
NPDD_MP_15L (DCS project)	2025-26	15 नई डेयरी सहकारी समितियों का गठन
NPDD_MP_16L	2025-26	किसानों, डेयरी कर्मियों, डेयरी सहकारी समिति (DCS) के कर्मचारियों और DCS प्रबंधन सहकारी (MC) सदस्यों को प्रशिक्षण

ख. पन्ना जिला

परियोजना कोड	अनुमोदन का वर्ष	क्रियाकलाप
NPDD_MP_15L (DCS project)	2025-26	7 नई डेयरी सहकारी समितियों का गठन
NPDD_MP_16L	2025-26	किसानों/ DCS स्टाफ/डेयरी कर्मियों और MC सदस्यों को उपकरण, किट और प्रशिक्षण

ग. छतरपुर जिला

परियोजना कोड	अनुमोदन का वर्ष	क्रियाकलाप
NPDD_MP_15L (DCS project)	2025-26	44 नई डेयरी सहकारी समितियों का गठन
NPDD_MP_16L	2025-26	किसानों/ DCS स्टाफ/डेयरी कर्मियों और MC सदस्यों को उपकरण, किट और प्रशिक्षण

तालिका 4: वर्ष 2023-24 से 2025-26 के दौरान LHDCP के अंतर्गत टीकाकरण (राज्य द्वारा राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन - NDLM पर अपलोड किए गए डेटा के अनुसार)

क्र.सं.	जिला	FMD	PPR
1	कटनी	12,39,798	1,03,843
2	पन्ना	20,60,881	1,81,603
3	छतरपुर	18,65,008	3,51,903

*****